


---

# Prarthaye Sumangalam

——  
प्रार्थये सुमङ्गलम्

——  

## Document Information



---

Text title : PrArthaye Sumangalam

File name : prArthayesumangalam.itx

Category : misc, sanskritgeet, mangala

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : vijayan vi. paTTAmbI

Acknowledge-Permission: Vijayan V. Pattambi

Latest update : August 11, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 12, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Prarthaye Sumangalam

---

प्रार्थये सुमङ्गलम्

---



मित्रकाः ! मित्रकाः ! पाठशालां गच्छत  
वार्णवस्त्रभूषिताः नव्यस्यूतसंयुताः ।  
छत्रमेकं टोपिकाञ्च सञ्चयन्तु सत्वरं  
वर्षकालमस्ति मित्राः ! वर्षाणं भविष्यति ।  
सावधानं गच्छत यानमार्गमाश्रिताः  
प्राप्य लक्ष्यं यावतरन्तु योत्तमाश्च निर्भयम् ।  
गुरुवरान् प्राणम्य भोः वर्गमेत्य सत्वरं  
आश्रयन्तु स्वस्थस्थानमायरन्तु प्रार्थनाम् ।  
संस्कृतं पठन्तु मित्राः संस्कृतं मङ्गलं  
सर्वलोकवन्दितं सञ्जनैः प्रवर्धितम् ।  
संस्कृतेन सन्ततं भाषाणं य मित्रकैः  
संस्कृतेन सर्वमस्तु संस्कृतेन रक्ष्यते ।  
व्यवहरन्तु साधु रीत्या सर्वकालं मित्रकाः  
उत्तमोत्तमाश्च सन्तु प्रार्थये सुमङ्गलम् ॥

- विजयन् वि पट्टाम्भि

---

Prarthaye Sumangalam

pdf was typeset on August 12, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

